

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ University of Lucknow, Lucknow

Press Note 15 September 2020

लखनऊ विश्वविद्यालय ने आज विश्वविद्यालय की 6 नई डिजिटल सेवाओं के लिए एक भव्य virtual उद्घाटन कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें विश्वविद्यालय द्वारा ही विकसित लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (LMS), SLATE: स्ट्रेजिक लर्निंग एप्लिकेशन फॉर ट्रांसफॉर्मेटिव एजुकेशन भी शामिल है। उत्तर प्रदेश की माननीय राज्यपाल एवं लखनऊ विश्वविद्यालय की कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता की। इस कार्यक्रम में राज्य के कई गणमान्य व्यक्ति, देश के शिक्षाविद् और लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत गायन के साथ हुई, जिसे डॉ.रोली मिश्रा और डॉ. गरिमा सिंह ने प्रस्तुत किया।

विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने मुख्य अतिथि महामहिम महोदया का स्वागत किया और उन्हें विश्वविद्यालय की नवीनतम उपलब्धियों की जानकारी दी, जिसमें नव आरंभ किए गए आधुनिक डी.लिट कार्यक्रम, वेबमेटिक्स रैंकिंग्स, टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग, इंडिया टुडे रैंकिंग, में विश्वविद्यालय का समावेश शामिल थे। माननीय कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय लगातार "सभी शैक्षिक, शोध संबंधी और प्रशासनिक गतिविधियों में गति, सटीकता और पारदर्शिता" के समावेश की दिशा में आगे बढ़ रहा है और इसी प्रेरणा के अनुरूप, आज उद्घाटन किए जाने वाले सभी 6 नए पोर्टलों को डिजाइन किया गया है। प्रो राय ने SLATE सहित सभी पोर्टलों का एक संक्षिप्त परिचय दिया। उन्होंने बताया कि पोर्टल के कॉपीराइट के साथ-साथ इसके लोगो (LOGO) के ट्रेडमार्क को प्राप्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। विश्वविद्यालय के शिक्षक 17 सितंबर, 2020 को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर SLATE पर अपनी कक्षाएं शुरू करेंगे। इसके बाद, प्रो राय ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग में शामिल होने, NAAC मान्यता आदि जैसी कई चीजों के लिए विश्वविद्यालय परिवार में शिक्षकों की भर्ती के महत्व पर जोर दिया और नए भर्ती पोर्टल के बारे में सभी को सूचित किया, जहां दुनिया भर के उम्मीदवार बिना किसी समस्या के विश्वविद्यालय में विज्ञापित पदों के लिए आवेदन कर सकेंगे। उन्होंने यह भी घोषणा की कि विश्वविद्यालय में भर्तियों के लिए अगला विज्ञापन 17 सितंबर, 2020 को प्रकाशित किया जाएगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ University of Lucknow, Lucknow

प्रो राय ने फिर नई एकीकृत वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (Integrated Finance Management System) का परिचय दिया और बताया कि यह पोर्टल विश्वविद्यालय की वित्तीय प्रणाली में पारदर्शिता और सटीकता को सुनिश्चित करेगा। उन्होंने स्टूडेंट इंस्टेंट मैसेजिंग सर्विस (SIMS) की भी बात की जिसे एक ही पल में अधिकतम छात्रों तक पहुँचने के लिए डिज़ाइन किया गया है, ताकि महत्वपूर्ण जानकारी को बिना किसी देरी के छात्रों तक पहुंचाया जा सके।

अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी संकाय में एक नए कंप्यूटर केंद्र का भी आज उद्घाटन किया गया है। प्रो राय ने संकाय के स्थापना के बहुत कम समय के अंदर ही संकाय की सफलता की बात की और टिप्पणी की कि माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर सार्वजनिक उपयोग के लिए नया कंप्यूटर केंद्र खोला जाएगा। प्रो राय ने एक नए ऑनलाइन ऑफ-कैंपस काउंसलिंग पोर्टल UnLOC का भी उल्लेख किया और कहा कि यह न केवल एक महत्वपूर्ण पोर्टल है जो आज के कोरोना संकट में छात्रों की सुरक्षा को सुनिश्चित करेगा, ताकि वे अपने घरों से आराम से काउंसलिंग के लिए नामांकन कर सकें, बल्कि यह एक दूरदर्शी कदम है, जो विश्वविद्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों में प्रवेश लेने के इच्छुक छात्रों की काउंसलिंग प्रक्रिया को गति देने का काम करेगा।

माननीय कुलपति के उद्घोष के बाद, महामहिम श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने विश्वविद्यालय की सभी 6 नई डिजिटल सुविधाओं का उद्घाटन किया: SLATE: स्ट्रैटेजिक लर्निंग एप्लीकेशन फॉर ट्रांसफॉर्मेटिव एजुकेशन, SIMS: स्टूडेंट इंस्टेंट मैसेजिंग सिस्टम, ऑनलाइन रिक्रूटमेंट पोर्टल, इंटीग्रेटेड फाइनेंशियल मैनेजमेंट सिस्टम, इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी संकाय में कंप्यूटर सेंटर और UnLOC : लखनऊ विश्वविद्यालय ऑनलाइन काउंसलिंग। प्रो पूनम टंडन, डीन ऑफ स्टूडेंट्स वेलफेयर ने शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार को आधार बनाते हुए स्लेट और इसकी भूमिका के बारे में विस्तार से बात की। उन्होंने उल्लेख किया कि कैसे माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के "VOCAL for LOCAL" आह्वान का अनुसरण किया जा रहा है क्योंकि स्लेट विशेष रूप से लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा ही डिज़ाइन किया गया है। माद्री काकोटी ने स्टूडेंट इंस्टेंट मैसेजिंग सिस्टम का परिचय दिया और इसकी कार्यक्षमता को रेखांकित किया। प्रो मनुका खन्ना ने नए ऑनलाइन भर्ती पोर्टल के बारे में बात की और एक सफल भर्ती प्रक्रिया की दिशा में पहला कदम के रूप में पोर्टल के अत्यधिक कुशल होने की अपेक्षा व्यक्त की। वित्त अधिकारी श्री संजय

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ University of Lucknow, Lucknow

श्रीवास्तव ने एकीकृत वित्तीय प्रबंधन प्रणाली के कामकाज को विस्तृत किया और टिप्पणी की कि यह कैसे माननीय कुलपति प्रो आलोक कुमार राय की गति और पारदर्शिता को विश्वविद्यालय की वित्तीय गतिविधियों में लाने के दृष्टि को एक वास्तविकता में बदलने का प्रयत्न है। प्रो आर एस गुप्ता ने कंप्यूटर सेंटर के बारे में बात की और इंजीनियरिंग संकाय के छात्रों के सर्वोत्तम संभव सीखने के माहौल को सुविधाजनक बनाने के लिए कम्प्यूटर सेंटर में की गई नवीनतम व्यवस्थाओं के बारे में बताया। अंत में, प्रो अनिल मिश्रा ने छात्रों के लिए ऑफ-कैंपस ऑनलाइन कौनसेलिंग पोर्टल के बारे में बात की और टिप्पणी की कि यह पूरी तरह से अद्वितीय है और देश में अपने जैसे पहले कदमों में से एक तरह का है।

उद्घाटन समारोह समाप्त होने के बाद महामहिम श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और राज्य उच्च शिक्षा संस्थानों से अपेक्षा" पर अपना संबोधन दिया। उन्होंने अपने सम्बोधन में निम्नलिखित बातें कही:

- शिक्षा का अर्थ मनुष्य की आंतरिक शक्तियों को बाहर की तरफ आने के लिए प्रेरित करना है।
- इसी शिक्षा व्यवस्था को पुनर्जीवित एवं पुनर्स्थापित करने के उद्देश्य से ढाई साल, ढाई लाख जमीनी स्तर पर लोगों से मिलकर परिणामस्वरूप बनाई गयी 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020' (National Education Policy- 2020) जुलाई 2020 में केंद्र सरकार ने मंजूरी दी है।
- सबके लिए आसान पहुंच, समानता, गुणवत्ता, वहनीयता और जवाबदेही के आधारभूत स्तंभों पर निर्मित।
- ये भारत केन्द्रित नीति है।
- इस शिक्षा नीति में प्रत्येक विद्यार्थी में रचनात्मक सोच, तार्किक निर्णय और नवाचार की भावना को प्रोत्साहित कर, उसमें निहित अद्वितीय क्षमताओं को सामने लाना है।
- NEP-2020 का उद्देश्य 'शिक्षा और सीखने (Education and Learning)' पर पुनः अधिक ध्यान आकर्षित करना है।
- नई शिक्षा नीति में वर्तमान में सक्रिय 10+2 के शैक्षिक मॉडल के स्थान पर शैक्षिक पाठ्यक्रम को 5+3+3+4 प्रणाली के आधार पर विभाजित करने की बात कही गई है।

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ University of Lucknow, Lucknow

- तकनीकी शिक्षा, भाषाई बाध्यताओं को दूर करने, दिव्यांग विद्यार्थियों, महिलाओं के लिये शिक्षा को सहज और सुगम बनाने आदि के लिये तकनीकी के प्रयोग को बढ़ावा देने पर बल दिया गया है।
- NEP-2020 के तहत स्नातक पाठ्यक्रम में महत्वपूर्ण सुधार किया गया है,
- विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों से प्राप्त अंकों या क्रेडिट को डिजिटल रूप से सुरक्षित रखने के लिये एक 'एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट' (Academic Bank of Credit) दिया जाएगा
- भारतीय भाषाओं के संरक्षण और विकास के लिये एक 'भारतीय अनुवाद और व्याख्या संस्थान' (Indian Institute of Translation and Interpretation- IITI), में भाषा विभाग को मजबूत बनाने का सुझाव दिया है।
- उच्च शिक्षा क्षेत्र के लिये एक एकल निकाय के रूप में भारत उच्च शिक्षा आयोग का तथा वैश्विक मानकों के 'बहुविषयक शिक्षा एवं अनुसंधान विश्वविद्यालय' की स्थापना की जाएगी।
- शिक्षा, मूल्यांकन, योजनाओं के निर्माण और प्रशासनिक क्षेत्र में तकनीकी के प्रयोग पर विचारों के स्वतंत्र आदान-प्रदान हेतु 'राष्ट्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी मंच' नामक एक स्वायत्त निकाय की स्थापना की जाएगी।
- उत्तर प्रदेश में 32 राज्य व 29 निजी विश्वविद्यालय हैं तथा 85 % शिक्षार्थी निजी कॉलेजों में शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं । महाविद्यालय-विश्वविद्यालय आदि उच्च शिक्षा के संस्थानों शिक्षण, शोध और विस्तार और इनकी परस्पर पूरकता की त्रि-आयामी भूमिका को रेखांकित किया गया है और इनमें संतुलन भारतीय लोकतंत्र व समाज के विकास का आधार है।
- एनईपी – 2020 में ऑनलाइन शिक्षा और डिजिटल शिक्षा, शिक्षा में प्रौद्योगिकी, भारतीय भाषाओं को बढ़ावा, शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण, व्यावसायिक शिक्षा, प्रौढ शिक्षा, वित्तपोषण शिक्षा सभी की बात की गयी है ।

राज्य की उच्च शिक्षण संस्थाओं से अपेक्षाएँ

- उच्च गुणवत्ता और व्यापक शिक्षा तक सबकी पहुँच सुनिश्चित करें ।
- वैश्विक मंचों पर - आर्थिक विकास, सामाजिक विकास, समानता और पर्यावरण की देख - रेख, वैज्ञानिक उन्नति और सांस्कृतिक संरक्षण के नेतृत्व करें।

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ University of Lucknow, Lucknow

- माननीय प्रधान मंत्रीजी के विज्ञान के द्रष्टिगत National Skills Qualifications Framework (NSQF) के अंतर्गत शिक्षा प्रणाली में कई अलग-अलग मॉड्यूलों के परिचय द्वारा एक बड़ा मार्ग प्रदर्शित होगा ।
- उन्हें स्टार्ट अप इंडिया मे अवसर मिलेगा और वे वहां पर अपने कौशल का समुचित उपयोग कर सकेंगे ।
- उच्च शिक्षण संस्थाओं से अपेक्षा की जाती है कि गुणवत्तापूर्ण ई-पाठ्यवस्तु क्षेत्रीय भाषाओं में शिक्षकों द्वारा विकसित किए जाएं।

महामहिम ने लखनऊ विश्वविद्यालय की न केवल अपने कक्षाओं में बल्कि अपने दैनिक प्रशासनिक कार्य में भी आईसीटी (ICT) को शामिल करने की दिशा में लगातार कदम उठाने की सराहना की। उन्होंने सभी को नई सुविधाओं के लिए बधाई दी। कुलसचिव डॉ विनोक कुमार सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यक्रम को डॉ केया पांडे द्वारा संचालित किया गया था। इस कार्यक्रम को लगभग 1000 से अधिक दर्शकों के लिए YouTube पर लाइव स्ट्रीम किया गया था।

University of Lucknow hosted a grand virtual inauguration event for 6 new digital services of the University today, including their indigenously developed Learning Management System, SLATE: Strategic Learning Application for Transformative Education. Hon'ble Governor of Uttar Pradesh and Chancellor of University of Lucknow Smt. Anandiben Patel graced the occasion as the Chief Guest of the event, which was attended by several dignitaries of the state, educationists of the country and the University of Lucknow family. The programme started with the University anthem, its Kulgeet performed by Dr.Roli Mishra and Dr. Garima Singh.

Hon'ble Vice Chancellor of the University, Prof. Alok Kumar Rai, then welcomed the Chief Guest, Her Excellency Madam and informed her of the latest achievements of the University, including the newly initiated modern D.Litt program, its inclusion in the Webometrics ranking conducted by the National Research Council, Spain, the Times Higher Education World University Rankings, the India Today rankings, etc. He said that the University has been constantly moving towards the incorporation of "speed, accuracy and transparency in all its educational, research and administrative activities" and that in line with this motivation, all the 6 new portals to be inaugurated today have been designed. Prof. Rai gave a brief introduction of all the portals, including SLATE, the new Learning Management System that the University has developed in-house. He

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ University of Lucknow, Lucknow

informed that the process to acquire copyright of the portal as well as trademark of its logo has also been initiated, and teachers of the University will be starting their classes on SLATE from 17th September, 2020, i.e. Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi's birthday. Next, Prof. Rai emphasised the importance of recruitment of teachers into the University family for several things like inclusion in national and international rankings, NAAC accreditation, etc. and informed everyone of the new recruitment portal where in candidates from around the world will be able to apply for positions advertised at the University without any problem. He also announced that the next advertisement for recruitments in the University will be published on 17th September, 2020.

Prof. Rai then introduced the new Integrated Financial Management System and commented on how the new portal will be responsible for bringing the University's collective vision of transparency and accuracy in financial system of the University to fruition. He also spoke of the Student Instant Messaging Service (SIMS) that has been designed to reach the maximum number of students at a single instant, so that important information can be intimated without any delay.

A new computer centre at the Faculty of Engineering and Technology is also being inaugurated today. Prof. Rai spoke of the success of the faculty in a very short while since its establishment and remarked that the new computer centre will be opened for public use on Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi. Prof. Rai then mentioned the new off-campus counselling portal UnLOC and said it is not only an important portal that will ensure safety of students in today's Corona crisis by letting student enrol for counselling from the comfort of their homes, but is also a far-sighted effort on the University's part to speed up the counselling process of students from different programmes interested in enrolling at the University.

After the Vice Chancellor's address, Her Excellency Smt. Anandiben Patel inaugurated all the 6 new digital facilities of the University: SLATE: Strategic Learning Application for Transformative Education, SIMS: Student Instant Messaging System, Online Recruitment Portal, Integrated Financial Management System, Computer Centre at the Faculty of Engineering and Technology, and UnLOC: University of Lucknow Online Counselling. Prof. Poonam Tandon, Dean of Students' Welfare spoke at length about SLATE and its role as a ground breaking innovation in the field of education. She mentioned how the initiative follows Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi's call to be "vocal for local" since SLATE is exclusively designed by the University of Lucknow itself. Madri Kakoti introduced the Student Instant Messaging System and outlined its functionalities. Prof. Manuka Khanna talked about the new Online Recruitment Portal and expressed her expectations of the portal being highly efficient as the first step towards a successful recruitment process. Finance Officer Shri Sanjay Shrivastava detailed the workings of the Integrated Financial Management System and remarked

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ University of Lucknow, Lucknow

how it is going to transform Hon'ble Vice Chancellor Prof. Alok Kumar Rai's vision of speed and transparency in the University's financial activities into a reality. Prof. R. S Gupta talked about the Computer Centre and told about the latest arrangements made in the facility to facilitate the best possible learning environment of the students of the Engineering faculty. Finally, Prof. Anil Mishra talked about the off-campus online counselling portal for students and remarked how it is completely unique and one of a kind in the country.

Once the inaugural event was over, Her Excellency Smt. Anandiben Patel delivered her address on "National Education Policy 2020 and expectations from state Higher Education Institutions". She began by outlining the importance of the NEP2020 and its defining characteristic of being something that is the result of consultation with lakhs of people around the country. She said that the NEP is built on the fundamental pillars of easy access, equality, quality, affordability of education and accountability for all. This education policy aims to bring out the creative thinking, reasoning ability and the spirit of innovation in every student. She remarked that the purpose of NEP2020 is to attract more attention to education and learning, and to promote the use of technology for education, to remove linguistic constraints, to make education easier and easier for disabled students, women, etc.

She also spoke of how under NEP2020, the undergraduate curriculum has been significantly improved, and specially mentioned the provision of Academic Bank of Credit, an Indian Institute of Translation and Interpretation-IITI to strengthen various Indian languages and work towards their conservation and development. The Higher Education Commission of India will be established as a single body for the higher education sector and universities for multidisciplinary education and multi-pronged research of global standards will be established.

Her Excellency remarked that Uttar Pradesh has 32 state and 29 private universities, and 85% of the learners are studying in private colleges. The three-dimensional role of teaching, research and expansion of institutions of higher education and inter-complementarity of colleges and universities etc. is underlined in the NEP. In fact, NEP2020 encompasses elementary education and digital education, technology in education, promotion of Indian languages, internationalization of education, vocational education, adult education, and even financial education.

Expressing her expectations for University of Lucknow to be an exemplary institute in the implementation of the objectives of NEP2020, Her Excellency said that she state Higher Educational Institutions should all work towards ensuring everyone's access to high quality and comprehensive education, and at the global forums - leading economic and social development, and conserving equality, environment, scientific progress and culture.

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ University of Lucknow, Lucknow

A major path will be paved by the introduction of several different modules in the education system under the National Skill Qualification Framework (NSQF) in NEP2020, as per the vision of Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi. The educated youth will not only get opportunities across India, but will also be able to learn and use new skills.

Her Excellency commended the University of Lucknow's constant move towards incorporating ICT in not only its classrooms but in its daily administrative function as well. She congratulated everyone for the new facilities. Dr. Vinok Kumar Singh extended the Vote of Thanks to all the stakeholders of the event.

The program was coordinated by Dr. Keya Pandey and was streamed live on YouTube to more than 1000 viewers.

लखनऊ विश्वविद्यालय के सिविल इंजीनियरिंग विभाग ने वानाहा एजुकेशन एंड इनोवेटिव लैब प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से राष्ट्रीय अभियंता दिवस पर वेबिनार का आयोजन किया। हम जानते हैं कि राष्ट्रीय इंजीनियर दिवस हर साल 15 सितंबर को सर एम० विश्वेश्वरैया की जन्म दिवस के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। भारत रत्न सर एम० विश्वेश्वरैया का सिविल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में योगदान अत्यंत सराहनीय रहा। इस वेबिनार में, सतादुरु चौधरी, वानाहा एजुकेशन एंड इनोवेटिव लैब प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक, वर्तमान परिदृश्य में सिविल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में मौजूद अवसरों पर प्रकाश डाला। उन्होंने छात्रों को बारीकी से बताया कि वे नौकरी तलाशने वाला बनने के बजाय एक नौकरी प्रदाता कैसे बनें।

उन्होंने छात्रों को शून्य शुरुआती लागत पर व्यवसाय शुरू करने की सलाह दी। छात्रों को बताया कि निर्माण कंपनियां भारत में कोविड के बाद के परिदृश्य में अपने कारोबार को स्थापित करने के लिए तत्पर हैं और इन अवसरों का लाभ कैसे उठाया जा सकता है।

सिविल इंजीनियरिंग के सभी छात्रों ने इस वेबिनार में बड़े उत्साह के साथ वेबिनार में भाग लिया।

The department of Civil Engineering of University of Lucknow organised a webinar in collaboration with Vaanhaa Education and Innovative Lab Pvt. Ltd. on National Engineer's Day. As we know National Engineer's Day is celebrated every year on 15th day of September, birth anniversary of legendary the Bharat Ratna M. Visvesvaraya. Sir M. Visvesvaraya was a great Civil Engineer. In this webinar, Sataduru Chowdhury, the founder of Vaanhaa Education and Innovative Lab Pvt. Ltd., step asided the various scopes of Civil Engineering in the current scenario. He suggested the students how to



लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ University of Lucknow, Lucknow

be a job provider rather than being a job seeker. He mentored the students how to start businesses at zero starting cost. Mr. Sataduru Chowdhury told the students how the construction companies are looking forward to establish their businesses in India post Covid scenario and how to grasp these opportunities. All the students of Civil Engineering participated in the webinar with great enthusiasm.